कंपनियों को विस्तार के लिए आसानी से मिल सकेगी पूंजी, नए उत्पाद आने से बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा

छोटे शहरों तक बीमा की पहुंच होगी आसान

बीमा में एफडीआई

नई दिल्ली | बिजनेस डेस्क

बीमा क्षेत्र में अच्छे दिन की शुरुआत हो गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 49 फीसदी करने को मंजूरी दे दी। सरकार के इस फैसले से बीमा क्षेत्र को देश के छोटे शहरों और गांवों तक पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी और रोजगार के भी मौके बढ़ेंगे।

भारती एक्सा जनरल इंश्योरेंस कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) अमरनाथ अनंतनारायणन ने कहा कि एफडीआई सीमा बढ़ाने से बीमा उद्योग के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा जिसका फायदा अंततः उपभोक्ताओं को मिलेगा। इससे कंपनियां छोटे शहरों तक विस्तार पर ध्यान दे सकेंगी जबकि खर्चीला होने की वजह से अभी वह इससे परहेज करती हैं। साथ ही एफडीआई से मिली पूंजी का उपयोग कंपनियां इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च करती हैं तो इससे लंबी अवधि में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे।

बीमा क्षेत्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एफडीआई सीमा में वृद्धि छोटी कंपनियों के लिए वरदान साबित होगा क्योंकि उन्हें पूंजी जुटाने में ज्यादा परेशानी होती है और एक साल में इससे 10 से 15 हजार करोड़ रुपये का एफडीआई आने का अनुमान है।

स्टार हेल्थ एंड अलॉयड इंश्योरेंस के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वी. जगन्नाथन ने कहा कि सरकार की इस पहल से कंपनियों को देश की बड़ी आबादी तक बीमा पहुंचाने में मदद मिलेगी। वहीं मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के सीईओ एवं एमडी राजेश सूद ने कहा कि एफडीआई सीमा बढ़ना देश के बीमा उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। मौजूदा समय में देश में करीब 50 करोड़ आबादी बीमा के दायरे से बाहर है जबकि गांव और छोटे शहरों तक अभी भी बीमा की पहुंच आसान नहीं है।

जीडीपी में हिस्सेदारी

0.78% है जीडीपी में हिस्सेदारी गैर-जीवन बीमा की

3.2% जीडीपी का है कुल जीवन बीमा प्रीमियम भारत में

06% जीडीपी का कुल जीवन बीमा प्रीमियम है ऑस्ट्रेलिया में

10% है जीडीपी में जीवन बीमा प्रीमियम की हिस्सेदारी जापान में

एक नजर

- **70%** है एलआईसी की हिस्सेदारी कुल जीवन बीमा में
- **53** कंपनियां भारत में कार्यरत हैं
- **24** कंपनियां जीवन बीमा क्षेत्र में करती हैं कारोबार
- **17** जीवन बीमा कंपनियां ही मुनाफा कमाने में सफल
- **15** फीसदी का सालाना रफ्तार से बढ़ रहा जीवन बीमा क्षेत्र
- **18** फीसदी की दर से बढ़ा है जीवन बीमा क्षेत्र पिछले 14 साल में
- **6.42** फीसदी की दर से बढ़ा है गैर-जीवन बीमा क्षेत्र 14 साल में

कितना आएगा निवेश

12,000 करोड़ का निवेश आ सकता है एक साल में

25,000 करोड का निवेश दो-तीन साल में

02 लाख है जीवन बीमा में कर्मियों की संख्या मौजूदा समय में

30 हजार शाखाएं होंगी बढ़कर वर्ष 2020 तक जीवन बीमा में

इस फैसले से भारतीय बीमा उद्योग को तकनीक, विशेषज्ञता और पूंजी मिलेगी। साथ ही एफडीआई बीमा कंपनियों के विस्तार, उपभोक्ताओं को बेहतर उत्पाद और देश में रोजगार के अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हालांकि अभी यह देखना होगा कि विधेयक का अंतिम स्वरूप कैसा होगा।

अनुप राउ, सीईओ, रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस